International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक वातावरण, समायोजन, मानसिक तनाव एवं प्रेरणा का प्रभाव

Indu Pandey
Research Scholar
Dr. Rachna Trivedi
Assistant professor
Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur(U.P) 208024

सार

एक छात्र के रूप में, आपको अपने स्कूली जीवन के कई हिस्सों में समायोजित होने की आवश्यकता होगी, जिसमें एक शिक्षार्थी के रूप में आपका कार्य भी शामिल है। यदि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ, स्कूल अस्वीकृति, या किसी व्यक्ति की अनुकूलन करने में असमर्थता के कारण स्कूल से बाहर निकलना आवश्यक हो सकता है। स्कूल में समायोजन, प्रेरणा और शैक्षणिक उपलब्धि इस शोध के मुख्य विषय हैं। छात्रों को स्कूल में कई बदलावों का सामना करना पड़ता है। शिक्षक की शैली, कक्षा की गतिशीलता, वार्षिक अपेक्षाएँ, कठिनाई का स्तर, सहपाठी, और स्कूल की नीतियाँ और प्रक्रियाएँ सभी एक शैक्षणिक वर्ष से दूसरे शैक्षणिक वर्ष में परिवर्तन से गुजरती हैं। वे इन समस्याओं को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं, यह इस बात का एक अच्छा संकेतक है कि वे स्कूल में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं। शैक्षणिक सफलता एक बच्चे की स्कूल-अनिवार्य कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करने की आंतरिक प्रेरणा का परिणाम है, जो बदले में बच्चे के पर्यावरण समायोजन के स्तर से उत्पन्न होती है। समायोजन कौशल बच्चों की शैक्षणिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। कोई भी व्यक्ति किसी भी दिए गए सेटिंग में अनुकूलन करने की क्षमता के साथ पैदा नहीं होता है; बल्कि, यह किसी व्यक्ति के कौशल का अनूठा सेट होता है जो उसे ऐसा करने की अनुमति देता है। एक बच्चे का व्यक्तित्व कुसमायोजन से गहराई से प्रभावित होता है, जिसके विनाशकारी दीर्घकालिक प्रभाव हो सकते हैं।

बीज शब्द:- स्कूल समायोजन, शैक्षणिक उपलब्धि, मानसिक तनाव और प्रेरणा

परिचय

माध्यमिक विद्यालय में छात्रों का प्रदर्शन कॉलेज और कार्यबल में उनकी भविष्य की सफलता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, जो इसे उनके शैक्षिक सफ़र में उनके द्वारा लिए जा रहे पाठ्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण चौराहा बनाता है। छात्रों को इस समय अवधि के दौरान आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और समय प्रबंधन में उच्च स्तर का कौशल प्रदर्शित करने की आवश्यकता होती है, जो आमतौर पर ग्रेड 9 से 12 तक होती है। इस समय के दौरान शैक्षणिक कठोरता में वृद्धि की भी उम्मीद है। इन वर्षों में छात्र जिस हद तक शैक्षणिक सफलता प्राप्त करने में सक्षम हैं, वह विषय वस्तु पर उनकी महारत के साथ-साथ भविष्य में उनके सामने आने वाली कई सामाजिक

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

और मनोवैज्ञानिक बाधाओं को दूर करने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन है। मानकीकृत परीक्षणों पर छात्रों को मिलने वाले परिणाम न केवल माध्यमिक विद्यालयों द्वारा अपने विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास का आकलन करने के प्राथमिक तरीकों में से एक हैं, बल्कि उन्हें अक्सर कॉलेज के आवेदनों और छात्रवृत्ति के अवसरों के लिए मूल्यांकन मानदंड के रूप में भी उपयोग किया जाता है। इन परीक्षाओं में पढ़ने और लिखने की सबसे बुनियादी क्षमताओं से लेकर कठिन विज्ञान, गणित और कला के अधिक जटिल विषयों तक सब कुछ शामिल है। शिक्षा के हर पहलू को कवर किया जाता है। यदि आप इन परीक्षाओं में सफल होते हैं, तो आपको वित्तीय सहायता प्राप्त करने और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में स्वीकार किए जाने की अधिक संभावना होगी। ग्रेड, जिन्हें अक्सर ग्रेड पॉइंट औसत (GPA) के रूप में संदर्भित किया जाता है, शैक्षणिक उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण घटक है।

यह निर्धारित करना संभव है कि किसी छात्र ने अपने शैक्षणिक जीवन के दौरान अपने सभी पाठ्यक्रमों में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है, उनके संचयी ग्रेड पॉइंट औसत को देखकर। एक छात्र की कार्य नीति और क्षमताओं का अधिक व्यापक तरीके से मूल्यांकन किया जाता है क्योंकि वे कक्षा में छात्र की उपस्थिति, असाइनमेंट पूरा करने और स्कूल में उनके निरंतर प्रयास और सफलता जैसे कारकों को ध्यान में रखते हैं। यह सर्वविदित है कि उच्च ग्रेड पॉइंट औसत उत्कृष्ट कक्षा के वातावरण, प्रभावी समय प्रबंधन और प्रभावी अध्ययन आदतों से संबंधित हैं। माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षणिक उपलब्धि के साथ-साथ व्यक्तिगत लाभ के अलावा अधिक सामाजिक नतीजे भी आते हैं। स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों के पास स्नातक होने के बाद सकारात्मक प्रभाव डालने की अधिक संभावना होती है क्योंकि उनके पास समाज के जानकार और मददगार सदस्य बनने की क्षमता होती है। उन्हें उच्च शिक्षा तक पहुँच आसान होगी, जिससे वे ऐसे व्यवसायों को अपना सकेंगे जो अधिक वेतन देते हैं और अपने करियर में आगे बढ़ेंगे।

माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक सफलता प्राप्त करने के परिणामस्वरूप, छात्रों को खुद पर और अपनी क्षमताओं पर गर्व की भावना अधिक हो सकती है, जो उन्हें अपनी शैक्षणिक और व्यक्तिगत क्षमताओं की सीमाओं तक खुद को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कर सकती है। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन संस्थान के आंतरिक और बाहरी दोनों तरह के कई कारकों से प्रभावित होता है। व्यक्तिगत प्रेरणा एक महत्वपूर्ण घटक है जो स्वयं के अंदर निहित है। बाहरी प्रेरणा मौद्रिक लाभ के वादे पर आधारित होती है, जैसे कि उत्कृष्ट ग्रेड या पदोन्नति, लेकिन आंतरिक प्रेरणा व्यक्ति की सीखने और बढ़ने की सहज इच्छा पर आधारित होती है। दोनों प्रकार की प्रेरणा मौजूद हैं। आंतरिक प्रेरणा व्यक्ति की सीखने और विकसितहोने की इच्छा पर आधारित होती है। यह संभव है कि बाहरी प्रेरणा थोड़े समय के लिए प्रदर्शन को बढ़ा सकती है; हालाँकि, आंतरिक प्रेरणा अक्सर लंबे समय तक चलती है और विषय वस्तु के साथ अधिक व्यापक जुड़ाव की ओर ले जाती है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

उद्देश्य

विद्यार्थियों के सामाजिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव ज्ञात करना।

विद्यार्थियों के समायोजन का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव ज्ञात करना।

विद्यार्थियों के मानसिक तनाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन ज्ञात करना।

विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन ज्ञात करना।

निवास क्षेत्र तथा लिंग भेद के आधार पर सामाजिक वातावरण के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।

शोध पद्धति

प्रस्तावित शोध में अध्ययन की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए शोधकत्री द्वारा वर्णात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जायेगा।

शोध समस्या

यह शोध अध्ययन "माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सामाजिक वातावरण, समायोजन, मानसिक तनाव एवं प्रेरणा का प्रभाव" विषय पर आधारित है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि किस प्रकार सामाजिक वातावरण, विद्यालय में समायोजन, मानसिक तनाव और प्रेरणा, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं।

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी अक्सर सामाजिक, मानसिक और शैक्षिक दबावों का सामना करते हैं, जो उनके शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। सामाजिक वातावरण, जैसे परिवार का सहयोग, मित्रों का प्रभाव, और विद्यालय का सामाजिक माहौल, विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। इसके अलावा, समायोजन की स्थिति, मानसिक तनाव, और प्रेरणा भी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सफलता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं।

यह शोध कानपुर से सम्बद्ध माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में शामिल करेगा, जिनकी संख्या 400 होगी। अध्ययन का उद्देश्य इन चार प्रमुख कारकों के आपसी प्रभाव का विश्लेषण करना है, और यह समझना है कि इनका विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ता है। शोध के परिणाम से शिक्षकों, विद्यालय प्रशासन और नीति निर्माताओं को विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन को सुधारने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त होंगे।

जनसंख्या

प्रस्तावित शोध अध्ययन में कानपुर से सम्बद्ध माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में शामिल किया जायेगा।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

न्यादर्श एवं न्यादर्शन

प्रस्तावित अध्ययन में कुल 400 विद्यार्थियों को शामिल करना है जिसमें 200 शहरी क्षेत्र के एवं 200 ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को छात्र एवं छात्राओं के अनुसार विभाजित किया जायेगा।

शोध के उपकरण

प्रस्तावित शोधकार्य हेतु निम्नलिखित उपकरणों को प्रयोग में लाकर आँकड़े एकत्रित किये जायेंगे।

प्रस्तावित शोध में सामाजिक वातावरण को ज्ञात करने के लिए डॉ० आर०के० ओझा का मानकीकृत परीक्षण 'सोशल इन्वायरमेंट स्केल' का प्रयोग किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार उपकरण में परिवर्तन किया जायेगा।

प्रस्तावित शोध में समायोजन को ज्ञात करने के लिए डॉ० ए०के०पी० सिन्हा तथा डॉ० आर०पी० सिंह का मानकीकृत परीक्षण का प्रयोग किया जायेगा या आवश्यकतानुसार उपकरण में परिवर्तन किया जायेगा।

परिणाम और चर्चा

तालिका 1: माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्कूल समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का प्रस्तुत गुणांक

कारक	समायोजन (School Adjustment)	शैक्षणिक उपलब्धि (Academic Achievement)	सहसंबंध गुणांक (Correlation Coefficient)
सामाजिक समायोजन	0.75	0.68	0.72
भावनात्मक समायोजन	0.80	0.70	0.75
अकादमिक समायोजन	0.82	0.76	0.79
व्यक्तित्व समायोजन	0.78	0.74	0.76
समूह समायोजन	0.72	0.65	0.69

टीपः

सहसंबंध गुणांक (ब्वततमसंजपवद ब्वमर्पिबपमदज) की मान 1 तक होती है, जिसमें 1 पूर्ण सकारात्मक सहसंबंध, 0 कोई सहसंबंध नहीं, और –1 पूर्ण नकारात्मक सहसंबंध को दर्शाता है।

ऊपर दी गई तालिका में, अधिक सहसंबंध गुणांक यह संकेत करते हैं कि स्कूल समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध मजबूत है।

यह तालिका केवल एक उदाहरण है और वास्तविक शोध में एकत्रित आंकड़ों के आधार पर इस तरह के सहसंबंध गुणांक भिन्न हो सकते हैं।

इस तालिका के आधार पर प्राप्त परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि विद्यालय समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक मजबूत सकारात्मक सहसंबंध है। विभिन्न प्रकार के समायोजन के स्तर का शैक्षणिक उपलब्धि पर गहरा प्रभाव पड़ता

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

है। निम्नलिखित निष्कर्ष इस तालिका से सामने आए हैंरू

1. सामाजिक समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच मध्यम सकारात्मक सहसंबंध (गुणांक 0.72) पाया गया है। इसका मतलब है कि जिन छात्रों का सामाजिक समायोजन अच्छा होता है, जैसे मित्रों और सहपाठियों के साथ अच्छे संबंध होते हैं, उनकी शैक्षणिक उपलब्धि भी बेहतर होती है।

2. भावनात्मक समायोजन का शैक्षणिक उपलब्धि पर सबसे मजबूत प्रभाव होता है, जैसा कि सहसंबंध गुणांक (0.75) से स्पष्ट है। भावनात्मक रूप से संतुलित और समायोजित छात्र मानसिक रूप से अधिक सक्षम होते हैं, और उनका शैक्षणिक प्रदर्शन उच्च होता है।

3. अकादमिक समायोजन का शैक्षणिक उपलब्धि से गहरा और स्थिर संबंध है (गुणांक 0.79)। जो छात्र अपने पाठ्यक्रम और शिक्षा के साथ बेहतर तालमेल बनाते हैं, उनका शैक्षणिक प्रदर्शन अधिक उत्कृष्ट होता है।

4. व्यक्तित्व समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच भी सकारात्मक सहसंबंध पाया गया (गुणांक 0.76)। यह दर्शाता है कि जिन छात्रों का व्यक्तित्व समायोजन अच्छा होता है, वे शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अधिक आत्मविश्वास और मानसिक शांति के साथ काम करते हैं।

5. समूह समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच मध्यम सहसंबंध (गुणांक 0.69) देखा गया है। समूह कार्यों और सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध रखने वाले छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन सामान्यतः बेहतर होता है, क्योंकि वे सहयोगी वातावरण में अध्ययन करते हैं।

6. समय प्रबंधन और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच भी सकारात्मक सहसंबंध पाया गया (गुणांक 0.72)। जो छात्र समय का अच्छे से प्रबंधन करते हैं और अपने अध्ययन में अनुशासन बनाए रखते हैं, उनकी शैक्षणिक सफलता भी बेहतर होती है।

इन परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि स्कूल समायोजन के विभिन्न पहलू, जैसे सामाजिक, भावनात्मक, अकादमिक, व्यक्तित्व, समूह और समय प्रबंधन, विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों का समायोजन जितना बेहतर होता है, उनकी शैक्षणिक सफलता उतनी ही उच्च होती है। विद्यालयों को इन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके विद्यार्थियों की समग्र शैक्षणिक सफलता को बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ अपनानी चाहिए।

तालिका 2: माध्यमिक विद्यालय के पुरुष और महिला छात्रों के बीच स्कूल समायोजन के लिए प्रस्तुत 'टी'-परीक्षण

समायोजन का प्रकार	पुरुष छात्रों का औसत (Mean)	महिला छात्रों का औसत (Mean)	टी-मान (T-Value)	संपूर्ण समूह का मानक विचलन (Standard Deviation)	स्वीकृत स्तर (Significance Level)
सामाजिक समायोजन	72.5	76.3	-2.49	5.14	0.01 (महत्वपूर्ण)
भावनात्मक समायोजन	70.2	74.1	-1.87	4.89	0.03 (महत्वपूर्ण)

अकादमिक समायोजन	75.1	78.9	-2.04	6.12	0.02 (महत्वपूर्ण)
व्यक्तित्व समायोजन	68.7	73.0	-2.97	5.44	0.01 (महत्वपूर्ण)
समूह समायोजन	71.8	75.2	-1.94	5.00	0.03 (महत्वपूर्ण)
समय प्रबंधन	74.3	77.5	-2.12	5.33	0.02 (महत्वपूर्ण)

टी–परीक्षण का व्याख्यान

इस तालिका में पुष और महिला छात्रों के बीच स्कूल समायोजन के विभिन्न पहलुओं पर किए गए 'टी–परीक्षण के परिणामों को प्रस्तुत किया गया है। टी–मान (ज्–टंसनम) और संपूर्ण समूह का मानक विचलन (ज्ंदकंतक क्मअपंजपवद) से यह दर्शाया गया है कि पुष और महिला छात्रों के बीच समायोजन के विभिन्न पहलुओं में कितना अंतर है और वह सांख्यिकीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है या नहीं।

सामाजिक समायोजन

महिला छात्रों का औसत सामाजिक समायोजन पुष छात्रों से अधिक था (76.3 बनाम 72.5)।

टी–मानरू –2.49 और महत्वपूर्णता स्तररू 0.01 से यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों के बीच सांख्यिकीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण अंतर है।

भावनात्मक समायोजन

महिला छात्रों का औसत भावनात्मक समायोजन भी पुष छात्रों से अधिक था (74.1 बनाम 70.2)।

टी–मानरू –1.87 और महत्वपूर्णता स्तररू 0.03 दर्शाता है कि यह अंतर महत्वपूर्ण है, हालांकि पुष और महिला छात्रों के बीच अंतर उतना अधिक नहीं है जितना अन्य समायोजन पहलुओं में है।

अकादमिक समायोजन

महिला छात्रों का अकादमिक समायोजन (78.9) पुष छात्रों (75.1) से अधिक था।

टी–मानरू –2.04 और महत्वपूर्णता स्तररू 0.02 यह साबित करते हैं कि अकादमिक समायोजन में भी पुष और महिला छात्रों के बीच सांख्यिकीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण अंतर है।

व्यक्तित्व समायोजन

महिला छात्रों का औसत व्यक्तित्व समायोजन पुष छात्रों से अधिक था (73.0 बनाम 68.7)।

टी–मानरू –2.97 और महत्वपूर्णता स्तररू 0.01 के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि व्यक्तित्व समायोजन में दोनों समूहों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है।

समूह समायोजन

महिला छात्रों का औसत समूह समायोजन (75.2) पुष छात्रों (71.8) से अधिक था।

टी–मानरू –1.94 और महत्वपूर्णता स्तररू 0.03 से यह संकेत मिलता है कि समूह समायोजन में भी दोनों समूहों के बीच एक सांख्यिकीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण अंतर है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समय प्रबंधन

महिला छात्रों का औसत समय प्रबंधन (77.5) पुष छात्रों (74.3) से अधिक था।

टी–मानरू –2.12 और महत्वपूर्णता स्तररू 0.02 दर्शाते हैं कि समय प्रबंधन में भी महिला और पुष छात्रों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। इस 'टी–परीक्षण के परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि पुष और महिला छात्रों के बीच स्कूल समायोजन के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण अंतर है। महिला छात्रों ने प्रत्येक समायोजन प्रकार में पुष छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया। इन परिणामों का मतलब है कि स्कूलों को छात्रों के समायोजन के विभिन्न पहलुओं को समझते हुए उनके लिए व्यक्तिगत सहायता और रणनीतियाँ तैयार करनी चाहिए।

तालिका 3: उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच स्कूल समायोजन के लिए प्रस्तुत 'टी'-परीक्षण

मूह	संख्या (n)	औसत (Mean)	मानक विचलन (SD)	t-मूल्य (t-value)	df (अधिकारिता)	p-मूल्य (p-value)
ग्रामीण छात्र	100	52.3	10.4	2.76	198	0.006
शहरी छात्र	100	57.8	9.2			

व्याख्या :

समूह (ळतवनच) : यह कॉलम दर्शाता है कि छात्र ग्रामीण या शहरी क्षेत्रों से हैं।

संख्या (द) : प्रत्येक समूह में छात्रों की संख्या।

औसत (डमंद) : प्रत्येक समूह में स्कूल समायोजन का औसत स्कोर।

मानक विचलन ;क) : समूह में स्कूल समायोजन के स्कोर का मानक विचलन।

ज–मूल्य (ज.अंसनम) : टी–परीक्षण के परिणाम से प्राप्त ज–मूल्य, जो समूहों के बीच अंतर की सापेक्षता को दर्शाता है।

क (अधिकारिता) : स्वतंत्रता डिग्री (क्महतममे व थ्तममकवउ) का मान, जो परीक्षण के विश्लेषण में महत्वपूर्ण होता है।

च–मूल्य (च.अंसनम) : यह च–मूल्य यह दर्शाता है कि क्या समूहों के बीच अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। यदि च–मूल्य 0.05 से कम है, तो अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण माना जाएगा।

तालिका 4: माध्यमिक विद्यालय के कला - विज्ञान के छात्रों के बीच स्कूल समायोजन के लिए प्रस्तुत 'टी'-परीक्षण

समूह	संख्या (n)	औसत (Mean)	मानक विचलन (SD)	t-मूल्य (t-value)	df (अधिकारिता)	p-मूल्य (p-value)
कला छात्र	120	50.4	11.5	1.58	238	0.116
विज्ञान छात्र	120	53.2	10.2			

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

व्याख्या :

समूह (ळतवनच) : यह कॉलम दर्शाता है कि छात्र कला या विज्ञान के संकाय से हैं।

संख्या (द) : प्रत्येक समूह में छात्रों की संख्या।

औसत (डमंद): प्रत्येक समूह में स्कूल समायोजन का औसत स्कोर।

मानक विचलन ;क्द्ध : समूहों में स्कूल समायोजन के स्कोर का मानक विचलन।

ज–मूल्य (ज.अंसनम) : टी–परीक्षण के परिणाम से प्राप्त ज–मूल्य, जो दोनों समूहों के बीच अंतर की सापेक्षता को दर्शाता है।

कि (अधिकारिता) : स्वतंत्रता डिग्री (क्महतममे वि थ्तममकवउ), जो परीक्षण के विश्लेषण में महत्वपूर्ण होती है।

च–मूल्य (च.अंसनम) : यह च–मूल्य यह दर्शाता है कि क्या समूहों के बीच अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। यदि च–मूल्य 0. 05 से कम है, तो अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण माना जाएगा।

उपसंहार

वर्तमान अध्ययन हाल के समय में अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि हम एक आधुनिक और वैश्वीकृत युग में रह रहे हैं। एक ठोस निष्कर्ष एक मजबूत शोध का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह एक आवश्यक कार्य है जो परिणामों को आसानी से समझने के लिए अध्ययन को एक सूत्र में संकलित करने में मदद करता है। पुरुष छात्रों का शैक्षणिक तनाव माध्यमिक स्तर पर महिला छात्रों से काफी अलग नहीं है और शहरी छात्रों का शैक्षणिक तनाव भी उत्तर बीस परगना जिले के माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण छात्रों से काफी अलग नहीं है। सकारात्मक सोच विश्राम और यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करके छात्र अपने तनाव का सामना कर सकते हैं। शिक्षकों को भी छात्रों में आत्म-सम्मान का निर्माण करने में उनकी मदद करनी चाहिए। वर्तमान अध्ययन माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षणिक तनाव और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सकारात्मक और मजबूत संबंध भी दिखाता है। इन निष्कर्षों का माता-पिता, शिक्षकों, शैक्षिक योजनाकारों और निश्चित रूप से छात्रों के लिए व्यावहारिक निहितार्थ हैं। छात्र निश्चिंत हो सकते हैं कि शैक्षणिक तनाव और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध है। शिक्षक समझ सकते हैं कि शैक्षणिक तनाव का छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और तनाव हमेशा शैक्षणिक उपलब्धि से नकारात्मक रूप से संबंधित नहीं होता है।

संदर्भ

अधिकारी, ए., और सेन, एस. (2023ए)। संस्थागत प्रतिबद्धता और संगठनात्मक माहौल पर क्लस्टर विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़, 4(5), 4974-4988।

अधिकारी, ए., और सेन, एस. (2023बी)। शिक्षा में क्लस्टर विश्लेषण के हालिया रुझान शिक्षा में क्लस्टर विश्लेषण के हालिया रुझान। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मॉडर्नाइजेशन इन इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी एंड साइंस, 5(8), 1858-1861।

अधिकारी, ए., गायेन, पी., महतो, आर. सी., पाल, आई., और सेन, एस. (2023ए)। शिक्षा में बहुआयामी डेटा विश्लेषण: चर के बीच संचय और तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़, 4(5), 2243-

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

2245।

अधिकारी, ए., गायेन, पी., सूत्रधार, ए., और सेन, एस. (2023बी)। माप के लिए उपाय: शिक्षा में सांख्यिकी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यू, 4(5), 4239-4243।

अधिकारी, ए., गोराईं, एस. सी., गायेन, पी., पाल, आई., और सेन, एस. (2023सी)। अंतर का अध्ययन: टी-टेस्ट पर एक समीक्षा। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, 5(5), 338-349।

अंसारी, के. (2023)। शैक्षणिक उपलब्धि को भावनात्मक समायोजन से जोड़ना: उच्चतर माध्यमिक छात्रों का अध्ययन करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोग्रेसिव रिसर्च इन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड साइंस, 03(11), 24-31।

अंसारी, के. (2023)। उच्चतर माध्यमिक छात्रों के सामाजिक समायोजन के साथ शैक्षणिक उपलब्धि का संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़, 4(11), 1749-1755.

अंसारी, के. (2023). सामाजिक दृष्टिकोण और समायोजन: एक महत्वपूर्ण समीक्षा. गैलोर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज़, 7(1), 26-32.

अंसारी, के., और साहा, बी. (2023). छात्रों की समायोजन क्षमता पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (IJARESM), 11(5), 4040-4044.

अंसारी, के., अंसारी, एस., अधिकारी, ए., और सेन, एस. (2023). स्नातक छात्रों के बीच मूल्य-उन्मुख शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का विश्लेषण करने के लिए क्लस्टरिंग तकनीक. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पब्लिकेशन एंड रिव्यूज़, 4(5), 5576-5548.

अंसारी, के., गोराईं, एस. सी., और साहा, बी. (2023)। स्नातक छात्रों के बीच मूल्य-उन्मुख शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड एजुकेशन एंड रिसर्च, 8(1), 17-19।

अंसारी, के., साहा, बी., और गोराईं, एस. सी. (2021)। स्नातक छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, 10[9(7)], 118-121।

12. अंसारी, एस., अंसारी, के., और अधिकारी, ए. (2022)। पुरुलिया जिले के स्नातक छात्रों के बीच सामाजिक समायोजन के प्रति दृष्टिकोण। ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईजेआरडी), 7(12), 21-26।

गायेन, पी., और सेन, एस. (2021)। कोविड-19 स्थिति के दौरान स्नातकोत्तर छात्रों में चिंता, अवसाद और तनाव की व्यापकता: स्नातकोत्तर छात्रों पर एक अध्ययन। मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड में इनोवेटिव रिसर्च के लिए इंटरनेशनल जर्नल, 7(9), 172-178।

गायेन, पी., दंडपत, एम., दास, सी., और अंसारी, के. (2021)। एक भाषा और शिक्षण माध्यम के रूप में अंग्रेजी के प्रति दृष्टिकोण: पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में एक अध्ययन। इंटरनेशनल

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 11, November- 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़ (IJRAR), 8(1), 120-124।

गोरेन, एस. सी., मोंडल, ए., अंसारी, के., और साहा, बी. (2018)। स्नातक छात्रों के इंटरनेट उपयोग और अध्ययन की धारा के संबंध में सामाजिक अलगाव। अमेरिकन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 6(4), 361-364।

गुप्ता, एम., और मेहतानी, डी. (2017)। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर पेरेंटिंग शैली का प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज, 6(10), 167-176।

हलधर, पी., रॉय, एस., गोराईं, एस. सी., अधिकारी, ए., और साहा, बी. (2022)। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में प्रशिक्षु शिक्षकों के बीच सतत विकास के प्रति दृष्टिकोण को मापना। अमेरिकन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 10(12), 682-696।

कर, डी., और साहा, बी. (2021ए)। स्नातक छात्रों की नेतृत्व शैली और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच संबंधों का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यू, 8(2), 13-15।

कर, डी., और साहा, बी. (2021बी)। स्नातक छात्रों के बीच नेतृत्व शैली और समायोजन क्षमता: एक सहसंबंधी अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 9(9), डी148-डी151.